किरतू प्रस्तुति
सविता भाभी से सीखें
क्रिकेट का खेल
एक गेंद से दो विकेट कैसे गिराएं !
कथाकार : देशमुख
चित्रकार : कलंक
रंगकार : मैड ऑक्स
कड़ी : 2
www.kirtu.com

अशोक इस शनिवार भी काम पे है. पता नहीं सारे दिन क्या करूंगी ?
चलो टीवी देख लेती हूं.
CRASSH!!!

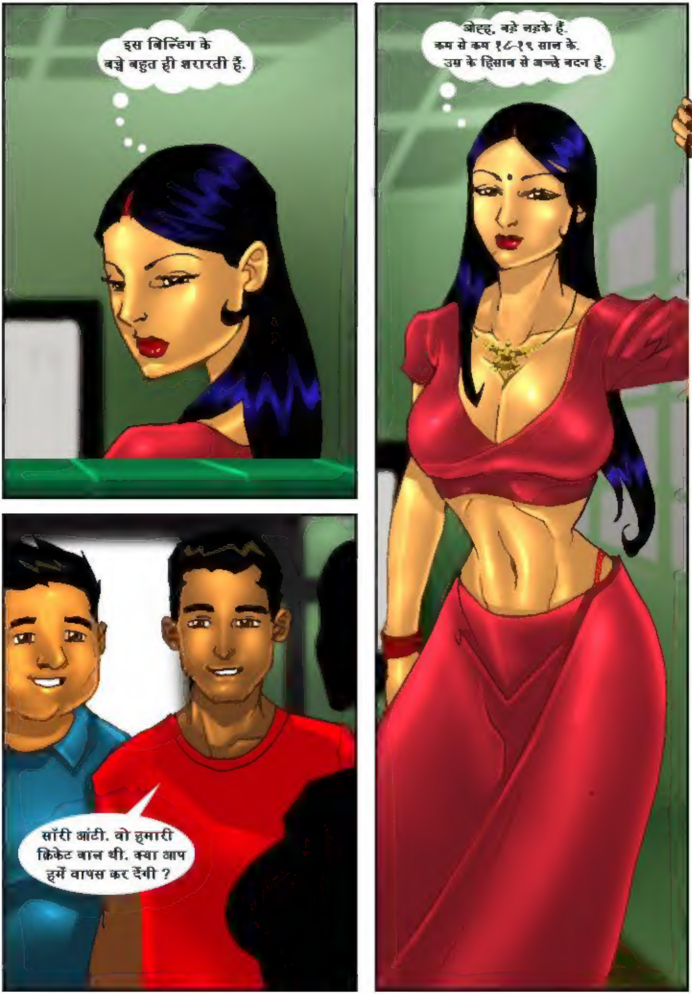

www.savitabhabhi.com

ठीक है. पर अगली बार ध्यान रखना. तो, तुम में से अगला धोनी कौन है?
ये
आपके घर में बाल इसने मारी.
मुझे पता नहीं गेंद कहाँ गई. चलो, सोफे के नीचे ढूंढती हूं.

ह्म्म. इन बच्चों को कुछ दिखाती हूं.
पूरे दिन धूप में खेलते हो. थकते नहीं?
हां ! आज गर्मी कुछ ज्यादा ही है.

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

इसकी लंड तो भट्टी की तरह गरम हो रही है.
अरे यहाँ इस को भी मज़ा आ रहा है.

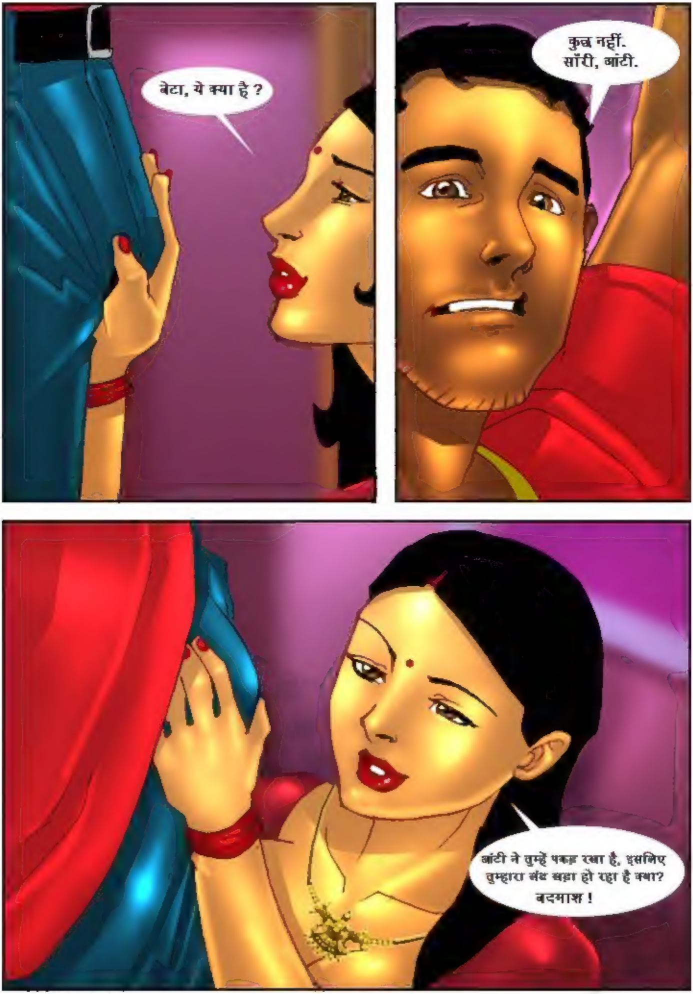

www.savitabhabhi.com

हाय, अब तो लंड पूरा तन गया है.
आह्ह!
अरे, तुम्हें तो दर्द हो रहा होगा! लंड इतना तन जो गया है.
फ़िर पैंट में जगह भी नही है. लाओ, इसे आज़ाद कर देती हूँ.

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

अगर मैं इन्हें चूसके झड़वा दूं
तो शायद चुदनेसे बच जाऊं
TSULP! TSULP! SUCK!

प्लीज़, मुझे नंगा मत करना!
तुम्हें जो भी चाहिए, मैं करूंगी.

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

रवि, भाभी की चूत पानी छोड़ रही है. लगता है, साली को तेरी लंड चूसने में मज़ा आ रहा है
इस चुदास की प्यास को बुझाना पड़ेगा!
हाय, मर गई!

साली को
मैं चुप कराता हूं
हाँ ! मुँह में लंड पेल दो.

www.savitabhabhi.com

भाभी के रसीले मम्मे देख कर मुँह में पानी आ रहा है.
भाभी को पलंग पर लिटा दो
और रंडी को नंगा करो.
नहीं, प्लीज़. ऐसा मत करना.

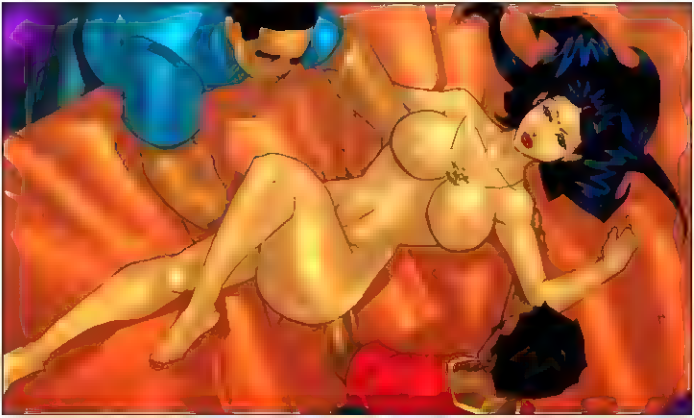

लड़कों रुक जाओ.
अगर कोई दरवाज़े पर आया और मुझे इस तरह नंगी देख लिया तो?
मुझे ये सब रोकना चाहिए
पर मेरी चूत की आग तो बढ़ती जा रही है

हाय, कितना अच्छा लग रहा है
भाभी, लगता है खुद की चूत से बहुत खेलती हो!
ऐसा करते रहो. साली की चूत को अपने लंडों के लिए तैयार करो.

www.savitabhabhi.com

गांड का छेद टाईट दिख रहा है.
क्या इस में मेरी लंड घुस जायेगी?

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

www.savitabhabhi.com

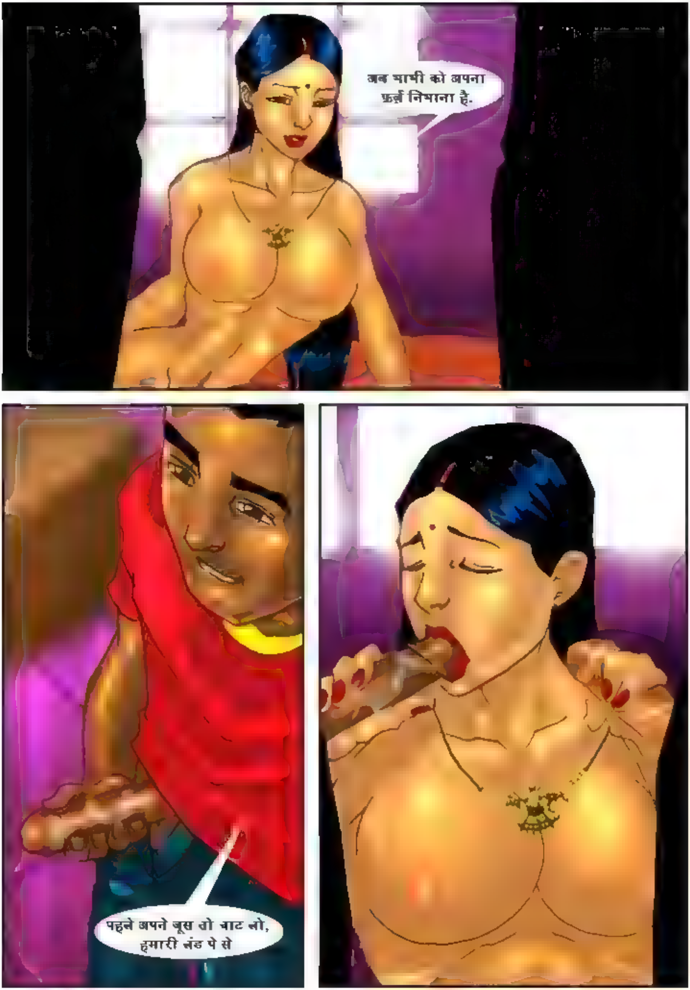
अब भाभी को अपना फ़र्ज़ निभाना है.
पहले अपने जूस तो चाट लो, हमारी लंड पे से

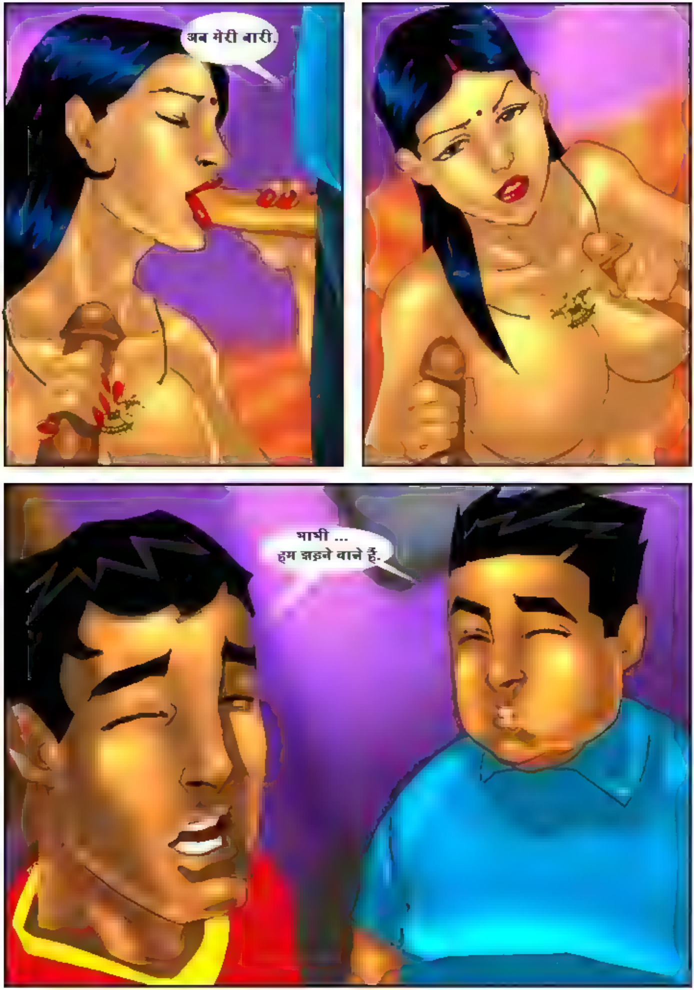

www.savitabhabhi.com

अच्छा मेरे प्यारे बच्चों.
मेरे बदन को नहला दो.
अपनी प्रिय भाभी के बदन को ढक दो अपने वीर्य से.
लो भाभी, मेरा अमृत
नहला दो मुझे, बच्चों.

ये तो अदभुत हुआ.
इतना पानी तो मैंने
पहले कभी नहीं छोडा.

ये सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है.
इसे छोड़ना नहीं चाहिए.
वाह.
स्वाद भी अच्छा है.
तुम लड़कों ने इतना पानी छोड़ा है.
मेरा पूरा बदन चिपक रहा है.

भाभी, अगली बार सीधा आपके मुँह में छोड़ देंगे.
अब हमें चलना चाहिए. हमारे दोस्त हमारा इंतज़ार कर रहे होंगे.
अरे, जाने से पहले अपनी लंड तो चटवा कर साफ करवा लो.
तुम्हारे दोस्तों को कोई शक नहीं होना चाहिए.

ये स्वाद,मुझे हमेशा अच्छा लगता है.
इसको कहते हैं चमत्कार!
sluurppp! shurp!

हा हा, ये लड़के
'शॉट' तो अच्छी मारते हैं.
तुम्हें इतनी देर क्यों लगी ?
ज्यादा कुछ नहीं, यार!
आंटी के गद्दे दार विकेट पर
'शॉट' मार रहे थे.
THE END